

एचजेयू संवाद
वर्ष : 1 • अंक : 1 • अगस्त-दिसंबर 2025
हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा प्रकाशित न्यूज लेटर

छात्रावास और सभी शिक्षण सुविधाएं पहली प्राथमिकता : प्रो. पाण्डेय

प्रो. नंद किशोर पाण्डेय हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के नये कुलगुरु बने



जयपुर, 14 अगस्त 2025 को प्रो. नंद किशोर पाण्डेय हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) के दहमीकलां स्थित परिसर पहुंचकर कुलगुरु का पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने परिसर का निरीक्षण किया और शिक्षकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ चर्चा की।

प्रो. पाण्डेय ने कहा कि एचजेयू पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में शिक्षण-प्रशिक्षण और शोध कार्य को समर्पित देश का तीसरा और राजस्थान का इकलौता विश्वविद्यालय है। मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में दक्ष पेशेवरों की आवश्यकता और रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए राज्य के लिए यह एक महत्वपूर्ण संस्थान है। उनकी प्राथमिकता विश्वविद्यालय में छात्रावास निर्माण, शैक्षिक और गैर-शैक्षिक कर्मचारियों की कमी दूर करना और आवश्यक ढांचागत सुविधाएं विकसित करना है।





"कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे से राजभवन में मुलाकात की। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु बनने के बाद प्रो. पांडेय की राज्यपाल से यह पहली भेंट थी। उन्होंने कुलाधिपति महोदय को अपनी पुस्तक 'भारत बोध और भक्ति कविता' की प्रति भी भेंट की।"

इस अवसर पर अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान के अध्यक्ष प्रो. दीपक शर्मा, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के अध्यक्ष प्रो. राजीव सक्सेना, शैक्षिक मंथन के संपादक शिवशरण कौशिक, राजस्थान विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद शर्मा, रूटा अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार, राजस्थान विश्वविद्यालय में एबीआरएसएम के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र, एचजेयू के कुलसचिव भंवर लाल मेहरड़ा, वित्त नियंत्रक डॉ. सत्येंद्र बसवाल, अकादमिक एवं प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत और सभी संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष भी उपस्थित थे।

इससे पहले पूर्व कुलगुरु प्रो.सुधि राजीव के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके कार्यकाल की उपलब्धियों के लिए उनका आभार जताया। इस दौरान प्रो. सुधि राजीव ने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों और सभी प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों के सहयोग से ही यह संभव हो पाया। प्रो. राजीव ने अंत में सभी को धन्यवाद ज्ञापित कर प्रो. पाण्डेय का स्वागत किया।

संपादकीय

संपादक की कलम से...

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के लिए यह हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय की पत्रिका एचजेयू संवाद नये कलेवर में प्रकाशित हुई है। माननीय कुलगुरु प्रोफेसर नंदकिशोर पाण्डेय के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्दर्शन में सभी शिक्षकों और प्रशासन के सहयोग से यह महत्त्वपूर्ण कार्य संभव हो पायाहै। इस विनम्र उपलब्धि और सहयोग के लिये संपादक मंडल आभारी है।

एचजेयू संवाद का वर्तमान अंक इसलिये और भी महत्त्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि इसी वर्ष हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे हुए हैं। हिंदी पत्रकारिता का गौरवशाली इतिहास लगभग दो शताब्दी पुराना है। इसकी नींव वर्ष1826 मेंउदन्त मार्तण्डके प्रकाशन से पड़ी थी। 200 वर्षों की इस वैभवशाली यात्रा में हिंदी पत्रकारिता ने सामाजिक सुधार, जन जागरण, स्वतंत्रता आंदोलन, राष्ट्रनिर्माण और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में अग्रणी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एचजेयू संवाद के प्रेरणा स्रोत कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय रहे हैं। प्रस्तुत अंक में अगस्त, 2025 में उनके कार्यभार ग्रहण करने से लेकर दिसंबर 2025 तक आयोजित अकादमिक गतिविधियों, विशेष व्याख्यानों, प्रतियोगिताओं, शिक्षकों की उपलब्धियों, विशिष्ट जनों से भेंट और उनके विश्वविद्यालय आगमन, विशेष दिवसों और समारोहों के विवरण हैं। उल्लेखनीय है कि कुलगुरु महोदय ने विश्वविद्यालय में हर सप्ताह अनुभवी और वरिष्ठ पत्रकारों और विद्वानों के विशेष व्याख्यान आयोजित करवाने की विशेष पहल की है जो कि विद्यार्थियों के बीच बहुत लोकप्रिय है। शिक्षकगण, शोधार्थी और विद्यार्थी इन विशेष व्याख्यानों में अब तक मीडिया, विज्ञान, आध्यात्म, चिकित्सा और भारतीय ज्ञान प्रणाली के विद्वजनों से साक्षात्कार और परिचर्चा कर चुके हैं।

डॉ. रतन सिंह शेखावत



कुलगुरु संदेश

सभी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं सभी पाठकों का हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के न्यूजलेटर 'एचजेयू संवाद' के प्रथम अंक के माध्यम से मैं हार्दिक स्वागत करता हूं। जनसंचार निरंतर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। डिजिटल तकनीक, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) ने सूचना के निर्माण, प्रसार और उपभोग के स्वरूप को बदल दिया है। ऐसे समय में पत्रकारिता के मूल उद्देश्य सत्य, विश्वसनीयता और जनहित, पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। हमारा विश्वविद्यालय इन्हीं मूल्यों को केंद्र में रखकर भावी मीडिया पेशेवरों को तैयार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

आज डिजिटल माध्यमों का विस्तार तीव्र गति से हो रहा है, फिर भी छपे हुए की विश्वसनीयता और महत्ता बरकरार है। इसी को ध्यान में रखकर मैंने यह सुझाव अपने शिक्षक साथियों को दिया था कि विश्वविद्यालय में होने वाली गतिविधियों और शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपलिब्धयों को समाहित करने वाला एक न्यूजलेटर होना चाहिए। न्यूजलेटर वास्तव में विश्वविद्यालय में होने वाली गतिविधियों का एक जीवंत और प्रमाणिक दस्तावेज है। भविष्य में उठाकर देखने पर हम पूर्व की उन घटनाओं की जानकारी हासिल कर सकते हैं। मुझे खुशी है कि हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार संस्थान का न्यूजलेटर 'एचजेयू संवाद' अब प्रकाशित होकर हमारे हाथों में है।

'एचजेयू संवाद' विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोध, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों का दस्तावेज है। यह हमारे विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधार्थियों के नवाचारों, उपलब्धियों और विचारों को एक साझा मंच प्रदान करता है। मुझे विश्वास है कि यह प्रकाशन न केवल विश्वविद्यालय में आंतरिक संवाद को बढ़ावा देगा, बल्कि पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में गुणवत्ता, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी सशक्त रूप से अभिव्यक्त करेगा। मैं इस न्यूजलेटर के संपादकीय मंडल, संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों तथा इसके प्रकाशन में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

आशा है कि 'एचजेयू संवाद' ज्ञान, संवाद और सकारात्मक चिंतन की इस यात्रा को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा। प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय कुलगुरु हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर

संपादक मण्डल

संरक्षक
प्रो. (डॉ.) नन्द किशोर पाण्डेय, कुलगुरु

प्रधान संपादक
डॉ. रतन सिंह शेखावत

सह संपादक
डॉ. शालिनी जोशी

विश्वविद्यालय में दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन

देश और समाज की सेवा का कार्य है पत्रकारिता : कुलगुरु

जयपुर, 21 अगस्त। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालयजयपुर में सत्र 2025-26 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के दहमीकलां, बगरू स्थित परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने शिरकत की। दैनिक भास्कर के नेशनल हेड श्री लक्ष्मी प्रसाद पंत और मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री हीरेन जोशी ने इस अवसर पर नवागंतुक विद्यार्थियों को मीडिया जगत में संभावाओं और चुनौतियों पर अपने अनुभव से लाभान्वित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पांडेय ने की और संचालन विश्वविद्यालय के समन्वयक अकादमिक एवं प्रशासनिक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने किया।

कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पांडेय ने कहा कि विद्यार्थी अपनी प्रतिबद्धता, संवेदनशीलता और गुणवत्तापूर्ण कार्य से विश्वविद्यालय को देश के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्थान दिला सकते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता देश और समाज की सेवा का कार्य है और मीडिया से जुड़े लोग राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मी प्रसाद पंत ने अपने संबोधन में कहा कि तकनीक विकास के साथ मीडिया का स्वरूप बदल सकता है, लेकिन पत्रकारिता के सिद्धान्त नहीं बदल सकते। अखबार आज भी सभी तरह के मीडिया के बीच अपनी विश्वसनीयता के मामले में सबसे आगे हैं। वरिष्ठ पत्रकार हीरेन जोशी ने कहा कि आज की पत्रकारिता का दौर अवसरों और चुनौतियों दोनों से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि पेशेवर प्रतिबद्धता के बावजूद पत्रकारिता से जुड़े लोगों को राष्ट्र प्रथम के मार्ग पर चलना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में विश्विद्यालय के कुलसचिव श्री बी.एल. मेहरड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिंह, जनसंपर्क एवं विज्ञापन विभाग की अध्यक्ष डॉ. ऋचा यादव, न्यू मीडिया विभाग की अध्यक्ष डॉ. शालिनी जोशी और बीए-जेएमसी की अध्यक्ष गरिमा श्री ने भी नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित किया







प्रो. पाण्डेय को आचार्य रामचंद्र शुक्ल पुरस्कार

जयपुर, 25 अगस्त 2025। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू), जयपुर के कुलगुरु प्रो. नंद किशोर पाण्डेय को मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के अखिल भारतीय आचार्य रामचंद्र शुक्ल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार उनकी चर्चित पुस्तक 'भारत बोध और भक्ति कविता' के लिए प्रदान किया गया है। मंगलवार को भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रो. पांडेय को पुरस्कार राशि 50 हजार रुपये, स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. विकास दवे, जानेमाने क्रिकेट कमेंटेटर सुशील दोषी और मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद् के संयुक्त सचिव एन.पी. नामदेव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।



हरिदेव जोशी विश्वविद्यालय में
वरिष्ठ पत्रकार प्रताप राव का विशेष व्याख्यान

मीडिया में तकनीकी विकास अच्छी बात, लेकिन राष्ट्रहित हो सर्वोपरि



जयपुर, 29 अगस्त 2025। दहमीकलां स्थित हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हाल में हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार प्रताप राव थेऔर अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. एन.के. पांडेय ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुलगुरु डॉ. एन.के. पांडे ने किया, जिन्होंने अनुभवी व्यक्तियों से सीखने की महत्ता पर प्रकाश डाला और विश्वविद्यालय को आगामी तीन वर्षों में देश के श्रेष्ठ पत्रकारिता विश्वविद्यालयों में शामिल करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। मुख्य वक्ता श्री प्रताप राव ने पत्रकारिता में भाषा और विचार की अहम भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि तकनीकी प्रगति के बावजूद वैचारिक बदलाव की गति बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में अपने इतिहास की जानकारी होना पत्रकारों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री राव ने अपने तीन दशकों के अनुभव साझा करते हुए बताया कि पत्रकारिता में राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए।

श्री राव ने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए बताया कि वैचारिक युद्ध जितना जरूरी है, उसे आम जनमानस में स्थापित करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने पत्रकारिता शिक्षा में कौशल विकास की जरूरत पर भी बल दिया, ताकि छात्र अपने भविष्य में सफलता हासिल कर सकें। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक, अकादमिक एवं प्रशासनिक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने किया। डॉ. शालिनी जोशी ने मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं सभी उपस्थित शिक्षकों, छात्रों और स्टाफ का धन्यवाद किया।



विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण





दिनांक 28/08/2025 को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पर्यावरण प्रमुख श्री गोपाल आर्य हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, दहमीकलां, बगरू, जयपुर परिसर में पधारे। माननीय कुलगुरु महोदय से शिष्टाचार भेंट के उपरांत श्री आर्य ने विश्वविद्यालय परिसर में गायत्री मंत्रों के उच्चारण के साथ वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर माननीय कुलगुरु, समन्वयक, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक अधिकारी तथा विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस समारोह –
6 सितंबर, 2025

जीवन मूल्यों का आइना दिखाते हैं शिक्षक : कुलगुरु





शिक्षक दिवस के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय तथा सभी शिक्षकगण और लगभाग 30 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन और स्नेह के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने विचारों के माध्यम से शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया और उन्हें जीवन की दिशा देने वाला सच्चा मार्गदर्शक बताया।

कार्यक्रम में माननीय कुलपति महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि "शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं प्रदान करते, बल्कि हमें जीवन के मूल्यों और आदर्शों से भी परिचित कराते हैं।" शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को मेहनत और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने वचन दिया कि वे अपने शिक्षकों के बताए मार्ग पर चलकर समाज और राष्ट्रहित में योगदान देंगे।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया जिसमें कुलपति महोदय, सभी शिक्षकगण, विश्वविद्यालय परिवार और विद्यार्थियों का आभार प्रकट किया गया।

एचजेयू के कुलगुरु सम्मानित

राजकीय महाविद्यालय दूदू की तरफ़ से हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय का सम्मान और आभार व्यक्त किया गया. गौरतलब है कि प्रो. पाण्डेय ने राजकीय महाविद्यालय दूदू को 200 से ज़्यादा पुस्तकें और कई दुर्लभ पत्रिकाओं के अंक भेंट किया है. इस मूल्यवान भेंट के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अरविन्द मेंदोला ने प्रशस्ति-पत्र देते हुए प्रो. पाण्डेय का आभार व्यक्त किया है.। कुलगुरु पाण्डेय को यह सम्मान दनकी ओर से दूदू महाविद्यालय को भेंट की गई पुस्तकों और पत्रिकाओं के लिए दिया गया।



सूचना का अधिकार और पत्रकारिता विषय पर व्याख्यान

आरटीआई से बढ़ी है प्रशासनिक पारदर्शिता

पूर्व सूचना आयुक्त आशुतोष शर्मा



जयपुर, 10 सितंबर। दहमीं कलां स्थित हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय परिसर में विशेष व्याख्यानमाला के अंतर्गत "सूचना का अधिकार और पत्रकारिता" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

व्याख्यान माला की इस कड़ी में मुख्य वक्ता राजस्थान के पूर्व सूचना आयुक्त एवं वर्तमान में राजस्थान पत्रिका के नेशनल हैड श्री आशुतोष शर्मा रहे। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि हर पत्रकार एक विद्यार्थी होता है। सूचना के अधिकार के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि इस कानून की शुरुआत राजस्थान से हुई है। यह भ्रष्टाचार को उजागर करने का एक महत्वपूर्ण साधन है, लेकिन इसके माध्यम से जानकारी हासिल करने के लिए मांगी जाने वाली सूचना का प्रारूप स्पष्ट होना चाहिए।

श्री शर्मा ने बताया कि आजकल कई संस्थाएं स्वैच्छिक रूप से सूचना सार्वजनिक कर रही हैं, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ई-गवर्नेंस के माध्यम से सूचनाओं में पारदर्शिता पर जोर दे रहे हैं। सूचना आयुक्त के कार्यकाल के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि उन्होंने लगभग बीस हजार से भी ज्यादा अपीलों का निस्तारण किया, जो इस कानून की बढ़ती उपयोगिता को दर्शाता है।

उन्होंने सूचना के अधिकार के दुरुपयोग को एक बड़ी चुनौती बताते हुए छात्रों को इसके प्रति सचेत किया। श्री शर्मा ने कहा कि सूचना के अधिकार के तहत प्रार्थी किसी कार्य का नमूना भी ले सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पत्रकार इस कानून का उपयोग सार्वजनिक हित में करेंगे। व्याख्यान के अंत में उन्होंने छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरू प्रो. एन.के. पाण्डेय ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सूचना के अधिकार अधिनियम से प्रशासन में पारदर्शिता आई है। यह भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में सहायक सिद्ध हुआ है। आज सभी संस्थाओं की गतिविधियां और कार्यकलाप देखे जा रहे हैं।

धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. सत्येंद्र बसवाल ने किया। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार लोकतंत्र की आत्मा है और पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है। इसके दुरुपयोग को रोकने हेतु साधन और साध्य की पवित्रता आवश्यक है। अंत में उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों एवं छात्रों के प्रति आभार व्यक्त किया। व्याख्यान सत्र का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार मिश्र ने किया।



गरिमा श्री को पीएचडी

दिनांक 09/10/2025 को बीएजेएमसी की अध्यक्ष गरिमा श्री को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से पत्रकारिता एवं जनसंचार में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। शोध प्रबंध का शीर्षक "फिल्मिंग जर्नलिज्म: हिंदी सिनेमा में पत्रकारिता के चित्रण पर एक अध्ययन (2000-2010)" है, जो पत्रकारिता और फिल्म अध्ययन में एक महत्वपूर्ण योगदान है।



हिन्दी दिवस

हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष एवं हिन्दी दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम





हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर में 15–16 सितंबर 2025 को हिन्दी दिवसके उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में भाषाई रचनात्मकता और अभिव्यक्ति का उत्सव दिखाई दिया। विद्यार्थियों के बीच चार प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं—वाद-विवाद, निबंध लेखन, कविता लेखन एवं पाठ तथा श्रुतिलेख प्रतियोगिता।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था "ट्रम्प का टैरिफ़ दांव भारत के लिए अवसर है!"। प्रतियोगिता का संचालन डॉ. अनिल मिश्र ने किया जबकि निर्णायक मंडल में डॉ. रतन सिंह शेखावत और डॉ. शालिनी जोशी शामिल थीं। विद्यार्थियों ने आर्थिक नीति, वैश्विक व्यापार और भारत-अमेरिका संबंधों पर प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता में स्वयं शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। नितेश कुमार यादव द्वितीय और खुशी शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं।

निबंध लेखन प्रतियोगिता

"हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष" विषय पर आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने हिन्दी पत्रकारिता की ऐतिहासिक यात्रा, सामाजिक योगदान और वर्तमान संदर्भों पर गहन विचार व्यक्त किए। इस प्रतियोगिता में खुशी शर्माने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अर्शिका श्रीवास्तव द्वितीय और साक्षी पांडे तथा राकेश जानी ने तृतीय स्थान साझा किया।

कविता लेखन एवं पाठ प्रतियोगिता

कविता पाठ प्रतियोगिता का संचालन शोधार्थी किरण और काजोल ने किया। निर्णायक मंडल में डॉ. ऋचा यादव और डॉ. शालिनी जोशी थीं। प्रतिभागियों ने समाज, परिवार और पत्रकारिता से जुड़े विविध विषयों पर कविताएं प्रस्तुत कीं। इस प्रतियोगिता में ऋषिता सौगानी ने "मेरे पापा" कविता के लिए प्रथम स्थान प्राप्त किया। अर्शी भटनागर और रजनीश खंडाल द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि पंकज पांचाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रोत्साहन पुरस्कार अर्शिका श्रीवास्तव, गणेश प्रजापति और वनिशा राय को प्रदान किए।

श्रुतिलेख प्रतियोगिता

श्रुतिलेख प्रतियोगिता विद्यार्थियों की भाषाई दक्षता और लेखन शुद्धता को परखने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

इस प्रतियोगिता में बेनी प्रसाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि गणेश प्रजापति द्वितीय और अर्शिका श्रीवास्तव एवं खुशी शर्मा ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समापन

दो दिवसीय इस आयोजन ने हिन्दी भाषा के प्रति विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और अभिव्यक्ति का उत्साह जगाया। हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों की इस स्मरणीय बेला पर विश्वविद्यालय का वातावरण रचनात्मकता, चिंतन और भाषा प्रेम से सराबोर रहा।



हरिदेवजोशी विश्वविद्यालय में
विशेष व्याख्यान का आयोजन

पत्रकारिता का एक मात्र लक्ष्य सेवा

जयपुर, 16 सितम्बर। दहमीं कलां स्थित हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में "भारतीय पत्रकारिता: मिशनरीज से डिजिटल तक" विषय पर विशेष व्याख्यान माला के अंतर्गत हिंद समाचार समूह के निदेशक श्री अरविंद चोपड़ा का व्याख्यान आयोजित हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार श्रीमती सीमा चोपड़ा भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एन. के. पाण्डेय ने की। उन्होंने हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत में अनेक भाषाएं सहजीविता के साथ अस्तित्व में हैं। इस संदर्भ में उन्होंने गांधीजी के संस्मरण साझा किए।

अपने उद्बोधन में श्री अरविंद चोपड़ा ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में पंजाब केसरी समूह और अपने परिवार के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने आपातकाल के दौर में समूह द्वारा झेली गई चुनौतियों तथा ब्रिटिश काल में पत्रकारिता के संघर्षों को साझा किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार किसानों ने अपने ट्रैक्टरों के इंजिन से ऑफसेट मशीन चलाई। श्री चोपड़ा ने अपने समूह के समाचार पत्र जगबानी की सामाजिक सौहार्द स्थापित करने में भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि पत्रकारिता में आज सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता का संकट है।

अंत में श्री चोपड़ा एवं श्रीमती सीमा चोपड़ा ने छात्रों के प्रश्नों का उत्तर दिया। मुख्य वक्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सत्येंद्र बसवाल ने कहा कि पत्रकारिता का एकमात्र लक्ष्य सेवा है।

कार्यक्रम के समापन पर हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नामों की घोषणा भी की गई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्र एवं स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने किया।

यूएन की हिन्दी न्यूज टीम ने किया विद्यार्थियों से संवाद



जयपुर,18 सितंबर 2025। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) में न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र की हिंदी न्यूज की टीम के साथ विद्यार्थियों के लिये विशेष संवाद का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस विशेष संवाद में यूएन न्यूज हिंदी के प्रमुख महबूब खान, यून न्यूज के दो पब्लिक इंफॉरमेंशन ऑफिसर सचिन गौड़ और प्रतिष्ठा जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित किया. इस आयोजन में चर्चा के प्रमुख बिंदु रहे संयुक्त राष्ट्र में हिंदी पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य, मीडिया भूमंडलीकरण के दौर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी पत्रकारिता के मायने और संयुक्त राष्ट्र में हिंदी पत्रकारों की प्राथमिकताएं और दायित्व।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो नन्दकिशोर पांडेय ने अपने स्वागत भाषाण में कहा कि हिंदी एक समावेशी भाषा है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की विशिष्ट पहचान है। उन्होंने यूएन न्यूज हिंदी के पत्रकारों का आभार जताया कि उनके मार्गदर्शन से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

यूएन न्यूज हिंदी के प्रमुख महबूब खान ने संयुक्त राष्ट्र की संरचना और उसके शांति प्रयासों, मानवाधिकार और विकास से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि अंतर्राष्ट्रीय कानून और व्यवस्था को बनाए रखने में संयुक्त राष्ट्र की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक संवाद विभाग के तहत न्यूज और मीडिया डिवीजन है और हिंदी न्यूज टीम उसका ही हिस्सा है। इसका मुख्य दायित्व है संयुक्त राट्र की अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों के बारे में समाचार प्रस्तुत करना हैं. पत्रकारिता विश्वविद्यालय और संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक संवाद विभाग के साथ पिछले वर्ष एमओयू किया गया था और ये विशेष संवाद उसी के तहत आयोजित किया गया.

यूएन न्यूज के सचिन गौड़ ने कहा कि दुनिया के विभिन्न भागों से जो समाचार मिलते हैं उन्हें यूएन की दृष्टि से टेक्स्ट, फोटो, वीडियो और ऑडियो के जरिये प्रस्तुत किया जाता है. उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियां समाचारों का भी महत्त्वपूर्ण स्त्रोत है. कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रश्न पूछे और चर्चा में हिस्सा लिया. इस विशेष सत्र का संचालन डॉ शालिनी जोशी ने किया।

पत्रकारिता : चुनौतियां एवं अवसर विषय पर विशेष व्याख्यान

पत्रकारिता पेशा नहीं, जीवन जीने का तरीका है : गोपाल शर्मा





जयपुर, 27 सितंबर। विश्वविद्यालय में 'पत्रकारिता: चुनौतियां एवं अवसर'विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक और वरिष्ठ पत्रकार श्री गोपाल शर्मा रहे। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्दकिशोर पाण्डेय ने उनका शॉल और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। स्वागत भाषण में प्रो. पाण्डेय ने पत्रकारिता की नई चुनौतियों और लोकतंत्र में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर संक्षिप्त प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में श्री गोपाल शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि "जीवन जीने का तरीका" है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पत्रकार समाज और जनता के बीच की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं, जो घटना घटित होने के बाद उसे तथ्यपरक और प्रामाणिक तरीके से प्रस्तुत करते हैं। एक सशक्त पत्रकार समाज में दिशा देने का काम करता है। उन्होंने कहा कि समाचार की भाषा शिष्ट और सभ्य होनी चाहिए, तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए और उसमें राष्ट्रहित की स्पष्ट झलक दिखाई देनी चाहिए। गोपालशर्मा ने कुलगुरु प्रो. नन्दकिशोर पाण्डेय के हिंदी भाषा में योगदान की सराहना करते हुए कहा, "जहां का मार्गदर्शन ऐसे लोग कर रहे हैं, वहां की भाषा और संस्कृति का विकास अवश्य होगा।" उन्होंने पत्रकारिता पर सत्ता के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोग अक्सर यह नहीं चाहते कि सच्चाई सामने आए, लेकिन पत्रकार अपनी निष्पक्षता और साहस से सच्चाई को उजागर कर सकते हैं। उनके अनुसार, पत्रकारिता एक ऐसा प्रवाह है "जिसमें आप भटक नहीं सकते" और जिसमें सतत ईमानदारी और संतुलन आवश्यक है। अपने संबोधन में उन्होंने यह भी कहा कि पत्रकार अपनी खबरों और रिपोर्टों के माध्यम से समाज और देश में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। पत्रकारिता का दायरा केवल सूचना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में जागरूकता फैलाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है।

इस अवसर पर हिंदी दिवस पर आयोजित निबंध लेखन, कविता लेखन और श्रुति लेखन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र और प्रशस्ति पत्रका वितरण भी किया गया। साथ ही सभी उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई, जिससे कार्यक्रम की प्रासंगिकता और भी सशक्त हो गई।

कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत किया। अंत में छात्र–छात्राओं के लिए प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया,जिसमें उन्होंने पत्रकारिता की चुनौतियों और अवसरों पर उत्साहपूर्वक सवाल पूछे और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शालिनी जोशी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।



डॉ शालिनी जोशी ने राजस्थान पत्रिका द्वारा आयोजित पुस्तक मेले के अंतर्गत न्यू मीडिया पर पैनल चर्चा में मुख्य-वक्ता के तौर पर हिस्सा लिया। न्यू मीडिया : चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर आयोजित इस सत्र में उन्होंने कहा कि मुख्यधारा के मीडिया के समक्ष इस समय विश्वसनीयता का संकट है क्योंकि न्यू मीडिया और इंटरनेट प्रौद्योगिकी से एक ऐसे वैकल्पिक मीडिया का प्रसार हो रहा है। जहां हर समाचार और सूचना निर्बाध प्रसारित की जा रही है। ये डिसइंटर-मीडियेशन का दौर है जहां मीडिया अब जनता और सत्ता के बीच एकमात्र पुल नहीं रहा है और पत्रकारों और संपादकों की गेटकीपिंग की अथॉरिटी का क्षरण हो रहा है। उन्होंने कहा कि फेक न्यूज और भ्रामक सूचनाओं का प्रसार सबसे बड़ी चुनौती है और इसके प्रति जागरूकता और डिजीटल मीडिया लिट्रेसी बहुत आवश्यक है।

इस विशेष सत्र में पत्रिका के दो वरिष्ठ पत्रकारों मुकेश भूषण और विजय झा ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

एचजेयू के छात्रावास निर्माण में सहयोग करेंगे : कैलाश वर्मा

बगरू विधायक ने हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में सामुदायिक सहभागिता केंद्र का शुभारंभ किया





जयपुर, 8 अक्टूबर। दहमींकलां स्थितहरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में बुधवार को सामुदायिक सहभागिता केंद्र का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बगरू विधायक डॉ. कैलाश वर्मा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पांडे ने की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक कैलाश वर्मा ने परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया भी दिया। उन्होंने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ सामाजिक ज्ञान का समन्वय आवश्यक है। उन्होंने विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि जहां विचारों का आदान-प्रदान सहज होता है, वहां विकास और प्रतिभाएं अवरुद्ध नहीं होतीं। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों की सुविधाओं हेतु आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में छात्रों और छात्राओं के लिए दो छात्रावासों के निमार्ण में वे पूरा सहयोग करेंगे। इसके लिए राज्य सरकार से जो संभव होगा उसमें सहयोग किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर वह स्वयं भी सहयोग करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय तक परिवहन की सुविधा भी जल्द करवाएंगे।

इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. पांडे ने कहा कि डॉ. कैलाश वर्मा छात्र जीवन से ही तेजस्वी और छात्र हितों के प्रति समर्पित रहे हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में उनका सहयोग बेहद महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का अर्थ केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि सतत् विकास और सामाजिक संवेदनशीलता से भी है। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय आसपास के गांवों में सामाजिक उत्थान से संबंधित कार्यों में सहयोग करेगा। कार्यक्रम का संचालन अकादमिक एवं प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने किया। सामुदायिक सहभागिता केंद्र की संयोजक डॉ. शालिनी जोशी ने बताया कि यह केंद्र समाज और विश्वविद्यालय के बीच सेतु का कार्य करेगा, जिससे सामुदायिक जुड़ाव और शैक्षणिक सहभागिता को बल मिलेगा। कार्यक्रम के अंत में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिल मिश्रा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

शिक्षा का उद्देश्य आत्मनिर्भर और चरित्रवान बनाना है

31 अक्टूबर 2025, विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता, संप्रभुता, अखंडता को बनाये रखने की शपथ ली गई।




हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में विशेष व्याख्यान आयोजित

'अनुभव और अध्ययन से ही आता है पत्रकारिता कौशल'





जयपुर,01 नवंबर। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर में शनिवार को एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। 'पत्रकारिता और जनसंपर्क : एक अंतर्सम्बंध' विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में मुख्यमंत्री जनसंपर्क प्रकोष्ठ के उप-निदेशक श्री विवेक जादौन मुख्य वक्ता रहे। इस दौरान संचार में पारंगत होने के लिए मूलभूत व्यावहारिक जरूरतों के बारे में श्री जादौन ने विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता कौशल अनुभव और अध्ययन से आता है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने विवेक जादौन की शैक्षणिक एवं पेशेवर उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। कुलगुरु प्रो. नंद किशोर पांडेय ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि विवेक जादौन जैसे अनुभवी और कुशल मीडिया प्रोफेशनल्स से विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलती है।

अपने संबोधन में श्री जादौन ने कहा कि केवल बड़े नामों या एंकर्स को देखकर आकर्षित होने के बजाय अपने लिए बड़ा दायरा तय करना चाहिए।

एआई के बढ़ते उपयोग पर उन्होंने कहा कि एआई को असिस्टेंट बनाएं अपना गाइड नहीं। साथ ही उन्होंने बदलते तकनीक के दौर में जरुरत के मुताबिक ढलने की आवश्यकता पर भी बल दिया । कुलसचिव डॉ. सत्येंद्र बसवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गोविद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय में

राष्ट्रीय एकात्मता विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 04 नवंबर, 2025 किया





राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा में राष्ट्रीय एकात्मता- विविधता में एक चेतना विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उन्होंने संगोष्ठी के अंतर्गत जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर आधारितप्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया।

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र अनेक भाषा, संस्कृति, मतों, परंपराओं से मिलकर बनता है। राष्ट्र की एक सीमा होती है। राष्ट्र में उस देश का नागरिक रहता है। कोई दूसरे देश का नागरिक आता है तो उसे उस देश की नागरिकता लेनी पड़ती है।

संगठित जनसमुदाय, निशित भूभाग, संस्कृति, परंपरा, एकता की भावना हमें एक सूत्र में बांधती है। देश के नागरिकों में देश के मूल्यों, आदर्शों, मातृभूमि, समुदाय के प्रति निष्ठा और प्रेम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एकता की भावना सिर्फ बातों में नहीं व्यक्ति के कर्मों में भी होनी चाहिए।

आज पत्रकारिता में अच्छे लोगों की बहुत ज़रूरत है : गुलाब बत्रा



जयपुर, 15 नवंबर। आज पत्रकारिता मिशन की बजाय एक व्यवसाय बन गया है। ऐसे में पत्रकारिता में आज अच्छे लोगों की बहुत ज़रूरत है। भावी पत्रकारों को लेखन शैली, भाषा और तकनीकी दक्षता में निपुण होना होगा, तभी वे आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सफल हो सकेंगे। वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा ने हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान में उक्त विचार व्यक्त किए।

गुलाब बत्रा ने अपने 55 वर्षों के पत्रकारिता के करियर और अनुभवों के बारे में विस्तार से बातचीत करते हुए कहा कि पत्रकारों को विभिन्न तरह की किताबें पढ़ने की आदत को बनाये रखना चाहिए। साथ ही, वरिष्ठ पत्रकारों को भी नए पत्रकारों के लेखन को देखना-परखना चाहिए तभी वे आज की पीढ़ी के संघर्षों से परिचित हो सकेंगे।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान श्रृंखला की कड़ी में आयोजित इस कार्यक्रम में गुलाब बत्रा ने मुख्य वक्ता के बतौर विद्यार्थियों के सवालों के भी जवाब दिए। उन्होंने आपातकाल में पत्रकारों के ऊपर थोपी गई पाबंदियों का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की कलम में सरस्वती का साक्षात निवास होता है, इसलिए पत्रकारों को अपनी कलम का प्रयोग काफ़ी सोच समझकर करना चाहिए।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.नंदकिशोर पांडेय ने की। उन्होंने मुख्य वक्ता गुलाब बत्रा का शॉल ओढ़ाकर और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। स्वागत उद्बोधन करते हुए कुलगुरु प्रो. पांडेय ने कहा कि गुलाब बत्रा का जीवन पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणा है, जिससे वे पत्रकारिता के पेशे की खूबियाँ सीख सकते हैं।

कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता संकाय के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार मिश्र ने किया और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. सत्येंद्र बसवाल ने किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में गीता जयंती पर "जीवन प्रबंध और गीता" विषय पर विशेष व्याख्यान

गीता में जीवन दर्शन और पत्रकारिता के स्त्रोत छुपे है - गोस्वामी

जयपुर, 1 दिसम्बर। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में आयोजित इस विशेष व्याख्यान में समाजसेवी एवं श्रीमद्भगवद्गीता विशेषज्ञ श्री रामकृष्ण गोस्वामी ने विद्यार्थियों से संवाद किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एन. के. पाण्डेय ने की। उन्होंने जीवन में श्रीमद्भगवद्गीता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गीता निष्काम कर्म की प्रेरणा देने वाला ग्रन्थ है। वर्त्तमान परिपेक्ष में गीता के माध्यम से ही जीवन की समस्याओं का हल निकला जा सकता है। प्रो. पाण्डेय ने बताया कि गांधीजी कहते थे कि "जब भी मैं उलझन में होता हूं तो गीता पढ़ता हूं।"

अपने उद्बोधन में श्री रामकृष्ण गोस्वामी नेकहा कि धर्म की आत्मा न्याय है और न्याय की स्थापना के लिए प्रयास करना चाहिए । गीता की 5162 वीं जयंती पर श्री गोस्वामी ने बताया कि गीता हमें फल की इच्छा के बिना कर्म करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने अपने निजी अनुभावों से बताया कि तिहाड़ जेल में कैद कैदियों के गीता पाठ से उनके चरित्र का उथान हुआ। भारतीय प्रशासनिक सेवा का आदर्श वाक्य **"योग: कर्मसु कौशलम"** और सर्वोच्च न्यायलय का आदर्श वाक्य **"यतो धर्मस्ततो जय:"** भी गीता से लिया गया है। श्रीकृष्ण को गोस्वामी जी ने पत्रकार बताया और कहा कि संवादकर्ता संवाददाता होता है, और वही पत्रकार होता है। अगर गीता का मंथन नहीं किया गया, तो श्रेष्ठ पत्रकार नहीं बन सकते। साथ ही उन्होंने कहा कि समाज और नागरिक निर्माण की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय की है।

श्री गोस्वामी ने छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम का संचालन एवम धन्यवाद् ज्ञापन विश्वविद्यालय के न्यू मीडिया विभाग की अध्यक्ष, डॉ. शालिनी जोशी ने किया।। श्री गोस्वामी ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों छात्र एवं स्टाफ को श्रीमद्भागवद्गीता की प्रतियाँ भेंट की।







धरती आबा बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर निबंध प्रतियोगिता

प्रसार भारती द्वारा निर्मित डॉक्यूड्रामा का भी प्रदर्शन



जयपुर, 17 नवंबर। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय द्वारा बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष में बिरसा मुंडा का योगदान विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में लगभग बीस विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

बाद में, इसी अवसर पर बिरसा मुंडा के जीवन और उनके संघर्षों पर प्रसार भारती द्वारा निर्मित वृत्तचित्र का भी प्रदर्शन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।



जयपुर, 26 नवंबर।देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री और महान स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में देशभर में चल रहे 'यूनिटी मार्च' के तहत जयपुर से रवाना हुई यमुना प्रवाह यात्रा दहमीकलां स्थित हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय परिसर पहुंची। विश्वविद्यालय में यात्रा में शामिल जनप्रतिनिधियों का विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम रखा गया था। इस दौरान अपने संबोधन में कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पांडेय ने कहा कि सरदार पटेल जीवनभर किसानों और वंचितों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे। संविधान निर्माण में भी उनकी प्रमुख भूमिका थी। देसी रियासतों का विलय करवाकर उन्होंने अखंड भारत के निर्माण में सबसे बड़ा योगदान दिया। प्रो.पांडेय ने कहा कि हिन्दी को राजभाषा के रूप में मान्यता दिलाने और प्रशासनिक सुधारों और प्रशासनिक संस्थाओं के निर्माण में भी उनके योगदान को देश कभी नहीं भूल पाएगा।

इससे पूर्व जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बगरू विधायक कैलाश वर्मा भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के योगदान को देश कभी भुला नहीं सकता। यात्रा में भाग ले रहे युवाओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता को तोड़ने की साजिश करने वाली शक्तियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन विश्विद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने किया। कार्यक्रम में यात्रा के संयोजक विनीत त्यागी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।



गांधी की पत्रकारिता का लक्ष्य था स्वराज्य और सर्वोदय—प्रो. महान



16 दिसंबर, जयपुर. महात्मा गांधी की समूची पत्रकारिता के दो ही लक्ष्य थे. एक 'स्वराज्य' और दूसरा 'सर्वोदय'। आज की नौजवान पीढ़ी अगर इन लक्ष्यों को ध्यान में रखकर पत्रकारिता को अपना पेशा चुनेगी तो उन्हें पैसे और शोहरत के अतिरिक्त आत्मिक ख़ुशी और संतुष्टि भी मिलेगी। उपरोक्त विचार वरिष्ठ पत्रकार और प्रोफ़ेसर राजन महान ने हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान श्रृंखला के अवसर पर प्रस्तुत किये। इस अवसर पर प्रो. राजन महान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की वर्तमान चुनौतियों और संभावनाओं पर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि आजकल की पत्रकारिता के सन्दर्भ में महान लेखक जॉर्ज ऑरवेल का कथन उचित प्रतीत होता है कि असली पत्रकारिता वही होती है जिसे ताकतवर सत्ताएं आम लोगों से छुपाना चाहती हैं।

वर्तमान मीडिया के संकट पर बात करते हुए प्रो. महान ने कहा कि आज का इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आम जन-जीवन की जिंदगी की कहानियां नहीं बता पा रहा है। पत्रकारिता के दो प्रमुख उद्देश्य ही होना चाहिए। पहला, सत्ता से सवाल पूछना और दूसरा बेजुबान लोगों की जुबां बनाना। लेकिन, विडंबना है कि आज हमारे देश का मीडिया इन दोनों ही उद्देश्यों में अक्सर नाकाम होता हुआ दिखाई पड़ता है। प्रो. महान ने इसके पीछे के कारण का ज़िक्र करते हुए कहा कि 1990 के दशक के बाद हमारी अर्थव्यवस्था की जो दिशा बनाई गई, इसी कारण से पत्रकारिता के पेशे में भी 'मुनाफे के गणित' ने केन्द्रीय स्थान हासिल कर लिया। यही वजह है कि आज का मीडिया जनपक्षधरता की बजाय सत्ता में बैठे शक्तिशाली लोगों का पक्षधर बन गया है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने प्रो. महान का स्वागत करते हुए कहा कि वे मीडिया जगत की जानीमानी शख्सियत हैं और उनके अनुभवों से विद्यार्थी मीडिया उद्योग की वास्तविकताओं और पत्रकारों की कार्यशैलीसे परिचित होंगे।

कार्यक्रम का संचालन समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने किया। जनसंचार संकाय की डीन डॉ. ऋचा यादव ने प्रो. महान की पत्रकारिता और उनकी उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गरिमा श्री ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रो. महान के साथ जीवंत संवाद किया और पत्रकारिता के पेशे के बारे में कई सवाल पूछे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक भी मौजूद रहे।



डॉ. शालिनी ने वैदिक संगोष्ठी में पढ़ा शोध पत्र



न्यू मीडिया विभाग की अध्यक्ष डॉ शालिनी जोशी ने देहरादून में आयोजित त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी में अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। उनके शोधपत्र का विषय था रिइमैजिनिंग मीडिया एथिक्स थ्रू वैदिक नैरेटिव। इस शोधपत्र में उन्होंने इस बात की प्रस्थापना की कि मीडिया और पत्रकारीय एथिक्स को पश्चिमी दृष्टिकोण से ही पढ़ा-समझा जाता रहा है। भारतीय बोध परंपरा में सत्य, धर्म, पुरुषार्थ और अपरिग्रह जैसी अवधारणाएं मीडिया एथिक्स को व्याख्यायित करती हैं। वैदिक विमर्श में सत्य का अर्थ सिर्फ तथ्य नहीं है और न ही संदर्भगत या परिस्थितिगत है बल्कि सत्य की सार्वभौम सत्ता है। सत्यमेव जयते का मूल यही है।

ये त्रिदिवसीय वैदिक संगोष्ठी 31 अक्तूबर से 2 नवंबर 2025 को वैदिक साहित्य में सन्निहित शाश्वत ज्ञान के डिजीटल संरक्षण और उभरते नवाचार विषय पर आयोजित की गई। इस संगोष्ठी के प्रायोजक थे महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान) और नालन्दा पुस्तकालय शोध एवं अनुसंधान केंद्र, देहरादून ने इसका आयोजन किया था।

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में विशेष व्याख्यान आयोजित

भारतीय संस्कृति की जड़ें समूची दुनिया में हैं : मेजर माथुर



जयपुर, 18 दिसंबर । भारतीय सभ्यता और संस्कृति हज़ारों वर्षों से अपने मूल्यों के साथ मौजूद है। यह समूची दुनिया में अलग-अलग रूपों में फैली हुई है। चाहे वह बाल्टिक क्षेत्र हो या रोम। यहाँ के लोग भारत के साथ अपना जुड़ाव महसूस करते हैं। ये बातें मेजर (रिटायर्ड) एस.एस. माथुर ने हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहीं।

मेजर माथुर को 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान असाधारण साहस और वीरता के प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। सेना से सेवानिवृत्त होने बाद उन्होंने भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने के लिए दुनिया भर के देशों में भ्रमण किया। वहां उन्होंने भारतीय संस्कृति के मूल स्रोतों और साझा मूल्यों की पहचान करते हुए विश्व शान्ति और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के विचार के लिए काम किया।

मेजर एस. एन. माथुर ने यूरोप के बाल्टिक क्षेत्र में लिथुआनिया जैसे देश का उदाहारण देते हुए बताया कि वहां के लोग अपने आपको भारतीय मूल के बताते हैं और भारतीय संस्कृति के समान ही आज भी अग्नि पूजा करते हैं। उनकी विवाह पद्धति भी हमारे देश के जैसी ही है, जिसमें वे अग्नि के सामने फेरे लेते हैं। लिथुआनिया के लोग भारत को अपनी दूसरी मातृभूमि का दर्जा देते हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने मेजर माथुर का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने और इसके विस्तार को समझाने के लिए लगभग 100 देशों की यात्राएं की हैं। इस दौरान उन्होंने इन देशों में मौजूद भारतीय संस्कृति के साथ समानता के विशिष्ट पहलुओं का अच्छा अध्ययन किया है। कार्यक्रम का संचालन अकादमिक और प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने किया। इस अवसर पर मेजर माथुर ने विद्यार्थियों के सवालों के भी जवाब दिए।



अजयसिंह लिखित पुस्तकें कुलगुरु को भेंट



इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार सिंह की **Television Reporting and Production, Research Methodology** तथा **News Presentation and Anchoring, The Digital Revolution: Exploring New Media in the 21st Century** प्रकाशित हुई। उनके द्वारा प्रकाशित सभी पुस्तकों का लेखन डॉ. पूजा सिंह एसोसिएट प्रोफेसर पूर्णिमा यूनिवर्सिटी जयपुर साथ संयुक्त रूप से किया गया है।

अजय कुमार सिंह के निर्देशन में ऋषभ और लकी को पीएच-डी

हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के अध्यक्ष एवं शोध केंद्र के समन्वयक डॉ. अजय कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में वर्ष 2025 में शोधार्थी ऋषभ कुमार शर्मा ने Social Media Content and Turbulence in Society (A Study with the Special Reference to Rajasthan) तथा लकी पराशर ने महिला सशक्तिकरण में ओटीटी प्लेटफॉर्म की भूमिका (राजस्थान के विशेष संदर्भ में) विषय पर सफलतापूर्वक पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। यह उपलब्धि न केवल शोधार्थियों के लिए गौरव का विषय है, बल्कि विभाग की शैक्षणिक सशक्तता और सुदृढ़ शोध परंपरा को भी रेखांकित करती है।

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में विशेष व्याख्यान

हमें अपना नागरिक विवेक बचाकर रखना चाहिए : प्रो. फ़रियाद



जयपुर, 24 दिसंबर। मीडिया की अदृश्य और नियंत्रणकारी ताकत के आगे दर्शकों-पाठकों को समर्पण नहीं करना चाहिये। उन्हें अपने आलोचनात्मक विवेक का प्रयोग करते हुए मीडिया से भी सवाल करते रहना चाहिए कि मीडिया में जो कुछ दिखाया और बोला जा रहा है, उससे हमारी सामाजिक-राजनीतिक आवश्यकताएं पूरी हो रही हैं या नहीं? हमें अपने नागरिक विवेक की हर हाल में रक्षा करते हुए सजग नागरिक की भूमिका अदा करते रहना चाहिए। उपरोक्त बातें मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद में जनसंचार के प्रोफ़ेसर डॉ. मोहम्मद फरियाद ने कहीं। वे हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत 'मीडिया, समाज और संस्कृति' विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

प्रोफ़ेसर फ़रियाद ने पत्रकारिता के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में पत्रकारिता के जनक जेम्स आगस्टस हिक्की को भी सत्ता के दमन का सामना करना पड़ा, जबकि वे अंग्रेज़ होने के साथ साथ ईस्ट इंडिया कंपनी के कर्मचारी भी थे। सन 1780 में 'बंगाल गजट' की शुरुआत करते हुए हिक्की ने सोचा नहीं होगा कि कंपनी के भ्रष्टाचार को उजागर करने के बदले में इतनी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। हिक्की से तत्कालीन अंग्रेज़ अफसर इतने नाराज़ हो गए थे कि उन्होंने हिक्की की शिकायत ब्रिटेन की महारानी से की. इसके बाद हिक्की को वापस इंग्लैंड भेजने का आदेश दिया गया । भारत में स्थित उनकी पूरी संपत्ति जब्त कर ली गई और उन पर कठोर जुर्माने लगाये गए। इंग्लैंड वापसी के रास्ते में जहाज में ही उनकी मृत्यु हो गई. यह सच्चाई बताती है कि पत्रकारिता का पेशा उन लोगों के लिए है, जो अपने लिए कठिन रास्तों का चुनाव करते हैं। साथ ही ये भी कि भारत में पत्रकारिता की शुरुआत सत्ता के ख़िलाफ़ बगावती तेवर से हुई।

मीडिया उद्योग के सांस्कृतिक प्रभाव का उल्लेख करते हुए प्रो. मोहम्मद फ़रियाद ने कहा कि यह दिमाग के नियंत्रण का औजार बन गया है. यह इतना शक्तिशाली है कि यह लोगों की पसंद-नापसंद, रुचियाँ और सौन्दर्यबोध का भी निर्माण करता है. इस अवसर पर प्रो. फरियाद का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने कहा कि उनका दक्षिण से लेकर उत्तर भारत तक पत्रकारिता और अकादमिक दुनिया दोनों का अनुभव है। उनकी विश्लेषणात्मक दृष्टि से मीडिया उद्योग के बारे में चिंतन करने के लिए नई दिशायें उजागर होती हैं।

कार्यक्रम का संचालन अकादमिक और प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने किया। इस अवसर पर प्रो. फरियाद ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए।

